भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 2214

गुरूवार, 7 अगस्त, 2025/16 श्रावण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

घरेलू पर्यटकों से राजस्व

2214 श्री येर्रम वेंकट सुब्बा रेड्डीः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि भारत का 95 प्रतिशत पर्यटन राजस्व घरेलू पर्यटकों से आता है;

(ख) यदि हाँ, तो मंत्रालय 2047 तक 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की पर्यटन अर्थव्यवस्था कैसे प्राप्त कर सकता है;

(ग) क्या यह भी सच है कि पर्यटन क्षेत्र में स्वच्छता, स्वास्थ्य और पर्यटक सुरक्षा प्रमुख चिंता के विषय हैं; और

(घ) यदि हाँ, तो विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या विशेष प्रयास किए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी 2025 के अनंतिम अनुमानों के अनुसार, पर्यटन क्षेत्र ने वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में ₹15.73 लाख करोड़ का योगदान दिया, जो कि कुल अर्थव्यवस्था का 5.22% है।

पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन संबंधी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और देश में विदेशी पर्यटकों की आमद बढ़ाने के लिए कई पहलें की हैं। इनमें शामिल हैं:

- पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन', ' राष्ट्रीय तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान संबंधी मिशन (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' जैसी योजनाओं के अंतर्गत देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पर्यटन संबंधी अवसंरचना और सुविधाओं के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

- पर्यटन मंत्रालय अपने विभिन्न अभियानों और कार्यकमों के माध्यम से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भारत के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों का संवर्धन करता है। इनमें से कुछ पहलें हैं 'देखो अपना देश' अभियान, 'चलो इंडिया' अभियान, अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट और भारत पर्व।

- 'सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण', 'अतुल्य भारत पर्यटक सुविधाप्रदाता' (आईआईटीएफ), 'पर्यटन मित्र' और 'पर्यटन दीदी' जैसी क्षमता निर्माण और कौशल विकास पर केंद्रित पहलों के माध्यम से समग्र गुणवत्ता और आगंतुक अनुभव को बेहतर बनाना।

- अन्य विशिष्ट विषयों के साथ-साथ निरोगता पर्यटन, पाक-कला पर्यटन, ग्रामीण, इको-पर्यटन आदि जैसे विषयगत पर्यटन को बढ़ावा दिया जाता है ताकि अन्य क्षेत्रों में भी पर्यटन के दायरे को बढ़ाया जा सके।

- पर्यटन स्थलों और उनके आसपास स्वच्छता के महत्व को ध्यान में रखते हुए, पर्यटन मंत्रालय ने जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सहयोग से स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी) तैयार की है। इस योजना के अंतर्गत, मंत्रालय देश भर में आईआईटीटीएम, केंद्रीय आईएचएम, राज्य आईएचएम और एफसीआई जैसे संस्थानों के माध्यम से स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करता है जिसमें प्रतीकात्मक अभियान और प्लास्टिक के उपयोग के विरुद्ध अभियान शामिल हैं। इन पहलों का उद्देश्य पर्यटकों, छात्रों और पर्यटन हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करना है।

- यद्यपि पर्यटकों की सुरक्षा मुख्य रूप से राज्य सरकार का विषय है, पर्यटन मंत्रालय ने समर्पित पर्यटन पुलिस की स्थापना के लिए सभी राज्य सरकारों/ संघ राज्यक्षेत्रों के प्रशासनों के समक्ष इस मामले को उठाया है। पर्यटन मंत्रालय के प्रयासों से, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, दिल्ली, गोवा, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, मध्य प्रदेश, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम और उत्तर प्रदेश की राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों ने किसी न किसी रूप में पर्यटक पुलिस तैनात की है।

****